एम.एस.एएम.ई विकास और सुविधा कार्यालय,तृश्शूर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का केलैंडरTRAINING ORGANISED BY MSMEDFO,THRISSUR

ACTIVITIES कार्यकलाप

कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिलाओं, दिव्यांगों, भूतपूर्व सैनिकों और बीपीएल व्यक्तियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले युवाओं को स्वरोजगार या उद्यमिता को करियर विकल्पों में से एक मानने के लिए प्रेरित करना है। अंतिम उद्देश्य नए उद्यमों को बढ़ावा देना, मौजूदा एमएसएमई की क्षमता निर्माण और देश में उद्यमशीलता की संस्कृति को विकसित करना है। योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार, ईएपी और ई-एसडीपी में कुल मिलाकर 40% महिलाओं की भागीदारी होनी चाहिए। कार्यक्रम में निम्नलिखित शामिल हैं:-

(i) औद्योगिक प्रेरणा अभियान (आईएमसी):- दो दिवसीय औद्योगिक प्रेरणा अभियान एमएसई स्थापित करने की क्षमता रखने वाले पारंपरिक/गैर-पारंपरिक उद्यमियों की पहचान करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए आयोजित किए जाते हैं ताकि उन्हें स्व-रोजगार की ओर ले जाया जा सके। एमएसएमई के संवर्धन और विकास के लिए योजनाओं के प्रचार के लिए क्लस्टर एसपीवी/उद्योग संघों/चैम्बरों के लिए एक दिवसीय आईएमसी।

(ii) उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी): एमएसई की स्थापना के लिए आवश्यक औद्योगिक गतिविधि के विभिन्न पहलुओं पर युवाओं को शिक्षित करके उनकी प्रतिभा का पोषण करने के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। ये ईएपी आम तौर पर आईटीआई, पॉलिटेक्निक और अन्य तकनीकी संस्थानों में आयोजित किए जाते हैं, जहां उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए कौशल उपलब्ध होता है। इस तरह की उद्यमिता जागरूकता गतिविधियों की पाठ्यक्रम सामग्री उत्पाद/परियोजना, चयन और परियोजना प्रोफ़ाइल तैयार करने, विपणन के रास्ते/तकनीक, उत्पाद/सेवा मूल्य निर्धारण, निर्यात अवसर, उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, वित्तीय और वित्तीय संस्थानों, नकदी प्रवाह, पर उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। लेखा, उत्पाद कास्टिंग आदि

(iii) उद्यमिता-सह-कौशल विकास कार्यक्रम (ई-एसडीपी):-विभिन्न तकनीकी सह कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करके भावी उद्यमियों, मौजूदा कार्यबल के कौशल उन्नयन और एमएसई के नए श्रमिकों और तकनीशियनों के कौशल का विकास करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उनके कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें उत्पादन के बेहतर और बेहतर तकनीकी कौशल से लैस करने के बुनियादी उद्देश्यों के साथ कार्यक्रम। कम विकसित क्षेत्रों सहित राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक रूप से वंचित समूहों (एससी/एसटी, पीएच और महिलाओं) के कौशल विकास के लिए विशिष्ट दर्जी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

iv) प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी):- प्रबंधन अभ्यास प्रणाली पर प्रशिक्षण देने का उद्देश्य मौजूदा और संभावित उद्यमियों की निर्णय लेने की क्षमताओं में सुधार करना है जिसके परिणामस्वरूप उच्च उत्पादकता और लाभप्रदता होती है। लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को प्रबंधकीय कार्यों के विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की जाती है। ये कार्यक्रम कम अवधि के हैं और उद्योग की जरूरतों के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार किया गया है और ग्राहकों द्वारा आवश्यक होने पर अनुकूलित किया गया है1

उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम (ESDP) के लिए दिशानिर्देश "MSMEs के विकास योजना का एक घटक

he objective of the programme is to motivate youth representing different sections of the society including SC/ST/Women, differently-abled, Ex-servicemen and BPL persons to consider self employment or entrepreneurship as one of the career options. The ultimate objective is to promote new enterprises, capacity building of existing MSMEs and inculcating entrepreneurial culture in the country. As per scheme guidelines, in EAP and E-SDP there should be overall 40% women participation. The programe includes the following:-

(i) Industrial Motivation Campaigns (IMCs):-Two days Industrial Motivation Campaigns are organized to identify and motivate traditional / non-traditional entrepreneurs having potential for setting up MSEs so as and to lead them towards self-employment. One day IMC for Clusters SPVs/ Industry Associations/ Chambers for propagating schemes for promotion and development of MSMEs.

(ii) Entrepreneurship Awareness Programmes (EAPs):- Entrepreneurship Awareness Programmes are being organized regularly to nurture the talent of youth by enlightening them on various aspects of industrial activity required for setting up MSEs. These EAPs are generally conducted in ITIs, Polytechnics and other technical institutions, where skill is available to motivate them towards self-employment. The course contents of such Entrepreneurship Awareness activities are designed to provide useful information on product/project, selection and project profile preparation, marketing avenues/ techniques, product/service pricing, export opportunities, infrastructure facilities available, financial and financial institutions, cash flow, accounting, product casting etc.

(iii) Entrepreneurship-cum-Skill Development Programme (E-SDP):-Comprehensive training programmes are organized to upgrade skills of prospective entrepreneurs, existing workforce and also develop skills of new workers and technicians of MSEs by organising various technical cum skill development training programmes with the basic objectives to provide training for their skill upgradation and to equip them with better and improved technological skills of production. The specific tailor made programmes for the skill development of socially disadvantaged groups (SC/ST, PH and women) are organized in various regions of the states, including the less developed areas

iv) Management Development Programmes (MDPs):- The objective of imparting training on management practice system is to improve the decision-making capabilities of existing & potential entrepreneurs resulting in higher productivity and profitability. Inputs on a variety of topics of managerial functions are provided to the participants in short duration training programmes. These programmes are of short duration and the curriculum is designed based on the needs of the industry and are customized, if required by the clients

Guideline for Up-Scaled Entrepreneurship and Skill Development Programme (ESDP)" a component of scheme Development of MSMEs